HISTORY

बहुत-सी शक्तियाँ प्रदान की हुई थी। पुवृत ~~व्यापारिक कार्य~~ के कर्णधारों में अधिकारी सामाजिक कार्य, राजस्व का संग्रह और उसका हिसाब रखना जैसे कार्य शामिल थे।

■ नगर प्रशासन (Cities Administration)

प्रशासन को ठीक ढंग से चलाने के लिये नगरों को कई भागों में (Wards) में बाँट गया था। प्रत्येक नगर की अलग न्यायपालिका होती थी जहाँ पर बहुत से न्यायाधिकारी, न्यायाधीश की सहायता के लिये होती थी। मेगास्थनीज के अनुसार कुछ नगरों जैसे पाटलिपुत्र में नगर के सुपरिटेंडेंट के सहायता के लिये तीस सदस्य की कमेटियाँ बनाई गई थी जोकि पाँच छोटी-छोटी इकाइयों में बाँटी गई थी।

नगरों की सुरक्षा के लिये चारो ओर दिवारें बनाई जाती थी तथा खाइयाँ खोदी जाती थी 600 फुट चौड़ी तथा 80 फुट गहरी खोदी जाती थी।
~~राजधानी पाटलिपुत्र के बाहरी ओर~~
उसमें सोन नदी का पानी भी

HISTORY

स्थानीय प्रशासन (Local Administration)

मौर्य ~~साम्राज्य~~ साम्राज्य में जिलों, मे विभाजित जनपद कहा जाता था। इसके तीन प्रमुख अधिकारी होते थे - प्रदेशिक रज्जुक तथा युक्त। प्रदेशिक सीधे सम्राट के प्रति उत्तरदायी होता था तथा उसको अपने क्षेत्रों के विभिन्न भागों पर निगरानी रखनी होती थी। हजारों लोगों पर ~~नि~~ निगरानी रखने के लिये रज्जुक होते थे। वास्तव वास्तव में ये आय अधिकारी होते थे परन्तु न्यायिक कार्य भी करते थे। अशोक ने ~~उ~~ उनको अपराधों की जाँच करने तथा उनको दण्ड देने के बारे

डाला जाता था। नगर के चारों ओर दीवार बनाई गई थी जिस में 510 बुर्ज तथा 64 द्वार बनाये गये थे। नगर को शत्रुओं से सुरक्षा के लिये, बुर्जों पर तीर कमान युक्त सैनिक बिठाये जाते थे।

- गाँव प्रशासन (Village Administration)

गाँव का प्रशासन एक ग्रामीणी द्वारा चलाया जाता था, जिसकी सहायता के लिये गाँव में व्यक्तियों की समिति होती थी। दफतरों में गोप कार्य करते थे जो कि गाँव में परिवारों की संख्या, एक घर रहने वाले परिवारों की संख्या, खेतों तथा बागों के मालिक तथा उनके क्षेत्रों के बारे में, उनके द्वारा उगाई गई फसलों के बारे में, उनसे मिलने वाला कर, सड़कों की स्थिति, पानी, धर्मशालाओं तथा मंदिरों के बारे में लेखा-जोखा रखते थे।
प्रायः गाँव में वृद्ध लोग गाँव में छोटे-छोटे झगड़ों का निपटारा करते थे। अन्य झगड़ों का निपटारा, न्यायपालिका द्वारा किया जाता था जिसमें तीन अधिकारी तथा तीन न्याय प्रमाण पुरुष (Juror) होते थे।